

४. शिवाजी महाराज का बचपन



शिवनेरी किले में शिवाजी महाराज का जन्म स्थान

शिवाजी महाराज का जन्म : उन दिनों चारों ओर अराजकता थी। उत्तर भारत से मुगल शासक शाहजहाँ ने दक्षिण को जीतने के लिए विशाल सेना भेजी थी। पुणे शहाजीराजे की जागीर थी। बीजापुर के आदिलशाह ने उसे ध्वस्त कर दिया था। शहाजीराजे अनेक कठिनाइयों से घिर गए थे—यहाँ कुआँ, वहाँ खाई। उनके जीवन में अस्थिरता आ गई थी।

इन्हीं परिस्थितियों में जिजाबाई गर्भवती थीं तब यह प्रश्न सामने आया कि ऐसी अराजकता की स्थिति तथा भाग-दौड़ में उन्हें कहाँ रखें, तब शहाजीराजे को शिवनेरी किले की याद आई। उन्होंने जिजाबाई को शिवनेरी में रखने का निश्चय किया। पुणे जिले में जुन्नर के पास शिवनेरी यह अभेद्य किला है। उसके चारों ओर ऊँचे-ऊँचे टीले, मजबूत दीवारें तथा सुदृढ़ दरवाजे

थे । किला बहुत मजबूत था । विजयराज उसके किलेदार थे । वे भोसले के रिश्तेदारों में से थे । उन्होंने जिजाबाई की रक्षा का दायित्व अपने ऊपर लिया । शहाजीराजे ने जिजाबाई को शिवनेरी में रखा । इसके पश्चात उन्होंने मुगलों पर आक्रमण किया ।

....और फिर वह सुदिन आया । फाल्गुन वद्य तृतीया शक संवत् १५५१ अर्थात् अंग्रेजी वर्ष के अनुसार १९ फरवरी १६३० के दिन शिवनेरी के नक्काखाने में शहनाई और नगाड़े बज रहे थे । ऐसे मंगलमय समय पर जिजाबाई ने पुत्ररत्न को जन्म दिया । किले में लोग खुशी से झूम उठे । बच्चे का नामकरण हुआ । शिवनेरी किले में जन्म लेने के कारण बालक का नाम 'शिवाजी' रखा गया ।

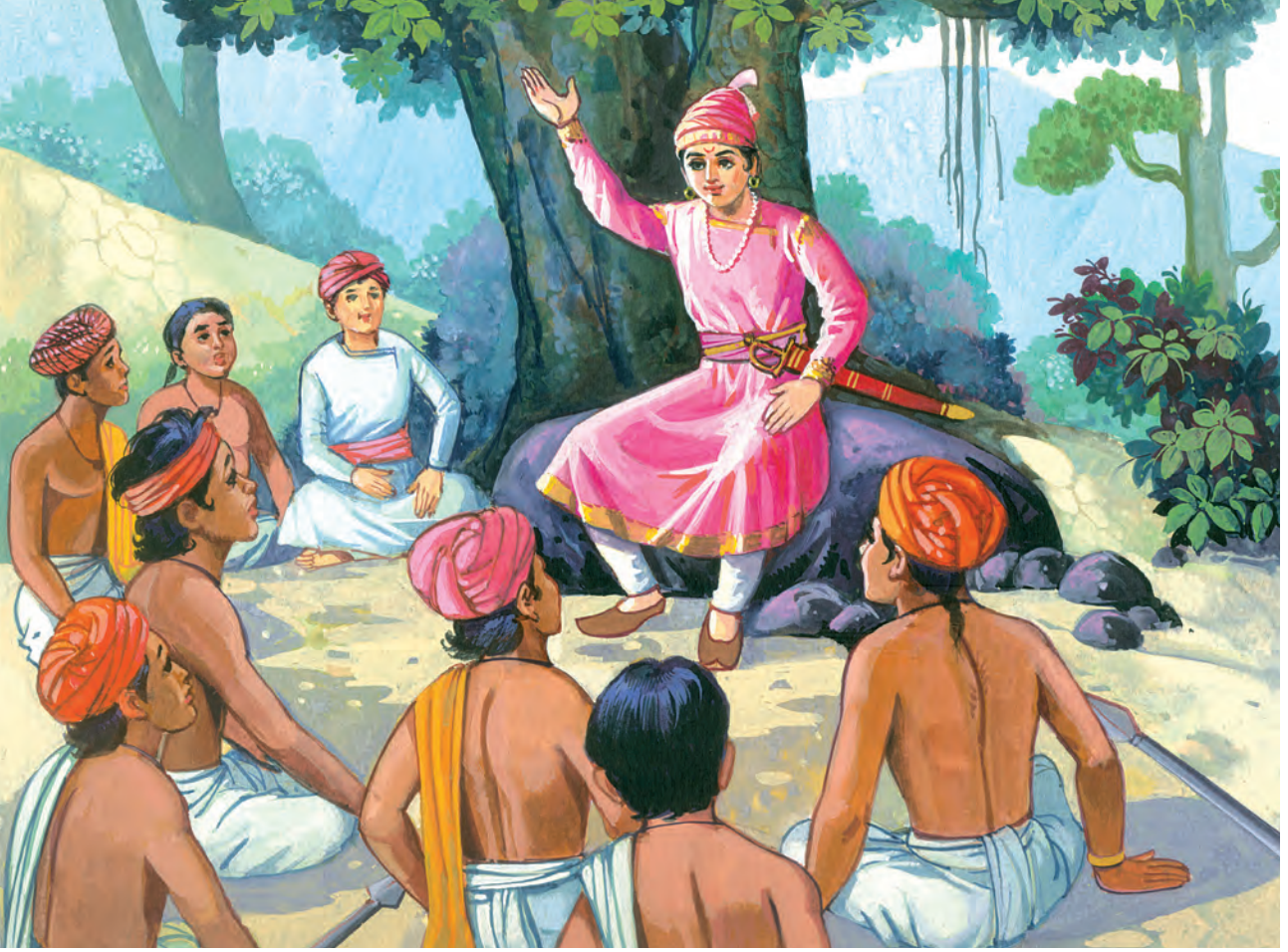
शिवाजी महाराज का बचपन : शिवाजी महाराज के जीवन के प्रथम छह वर्ष बड़ी भाग-

दौड़ में बीते । इस दौड़-धूप में भी जिजाबाई ने शिवाजी महाराज को बहुत उत्तम शिक्षा दी । संध्याकाल को वे दीया जलातीं । शिवाजी महाराज को पास बिठाकर उन्हें प्यार से सहलातीं । राम, कृष्ण, भीम और अभिमन्यु की कहानियाँ सुनातीं । संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव और संत एकनाथ के अभंग गाकर सुनातीं । शिवाजी महाराज को वीर पुरुषों की कहानियाँ अच्छी लगती थीं । वे सोचते थे कि बड़े होकर वे भी उनकी भाँति पराक्रम दिखाएँ । जिजाबाई उन्हें साधु-संतों के चरित्र की कहानियाँ भी सुनातीं । फलस्वरूप उनमें साधु-संतों के लिए श्रद्धा भाव उत्पन्न हुआ ।

गरीब मावलों के बच्चे शिवाजी महाराज के साथ खेलने के लिए आते थे । कभी-कभी शिवाजी महाराज भी उनकी झोंपड़ियों में



वीरमाता जिजाबाई बाल शिवाजी को कहानियाँ सुनाती हुई ।



साथियों के साथ बाल शिवाजी

जाते । उनकी प्याज और रोटी बड़े चाव से खाते थे । उनके साथ मजेदार खेल खेलते थे । मावलों के बच्चे तो मानो जंगल के पक्षी थे । वे तोते, कोयल और शेर की हू-ब-हू बोली बोलते थे । मिट्टी के हाथी-घोड़े बनाना, किले बनाना आदि उनके प्रिय खेल थे । लुका-छिपी का खेल खेलना, गेंद और लट्टू चलाना ये खेल तो सदैव खेलते थे । उनके साथ शिवाजी महाराज भी ये खेल खेलते थे । मावलों के बच्चे शिवाजी महाराज को बहुत चाहते थे ।

शहाजीराजे मुगल शासक की ओर :

शहाजीराजे निजामशाही में वापस लौटे किंतु वहाँ उन्हें शांति नहीं मिली । निजामशाह कान का कच्चा और अस्थिर वृत्ति का था । अतः दरबार में षडयंत्र और परस्पर ईर्ष्या-द्वेष उफान पर थे । इसी कारण निजामशाह के उकसाने पर लखुजीराव जाधव की भरे दरबार में हत्या की गई । इस घटना से क्रोधित होकर शहाजीराजे ने निजामशाही का त्याग किया और वे मुगलों के यहाँ चले गए । मुगल शासक शाहजहाँ ने उन्हें अपना सरदार बनाया ।

इसी बीच वजीर फतह खान ने मुगलों से साँठ-गाँठ करके निजामशाह की हत्या की । फलतः निजामशाही में अव्यवस्था फैल गई । यह स्पष्ट हो गया कि फतह खान निजामशाही को छल-कपट करके मुगलों को सौंप देगा । यही नहीं वरन् पुरस्कार के रूप में मुगलों ने उसे शहाजीराजे के आधिपत्यवाला प्रदेश परस्पर दे दिया है । इससे क्रोधित होकर शहाजीराजे ने मुगलों का साथ छोड़ दिया और अपने बलबूते पर मुगलों को सबक सिखाने का निश्चय किया ।

नई निजामशाही की स्थापना : शहाजीराजे ने वजीर फतह खान और मुगल सम्राट को मात देने के लिए निजाम वंश का एक बालक खोज निकाला । उस बालक को जुन्नर के पास पेमगिरी किले पर निजामशाह घोषित किया । इस तरह उन्होंने एक नए राज्य की स्थापना की । इस राज्य में गोदावरी से नीरा तक के प्रदेश थे । अपने इस राज्य की सुरक्षा के लिए शहाजीराजे ने पराकाष्ठा का युद्ध किया । प्रारंभ में आदिलशाह ने इस कार्य में उन्हें सहयोग दिया किंतु आगे चलकर मुगल शासक शाहजहाँ ने दक्षिण में शहाजीराजे पर आक्रमण कर दिया । उसने आदिलशाह को चेतावनी दी । फलस्वरूप आदिलशाह ने शहाजीराजे के विरोध में उससे संधि कर ली ।

अब शहाजीराजे छापामार युद्ध पद्धति से मुगल और आदिलशाह की मिली-जुली सेना से लड़ते रहे किंतु कब तक वे अकेले ही इनसे युद्ध करते ? उनका पक्ष कमजोर होता गया । विवश होकर उन्होंने ई.स. १६३६ में मुगलों के साथ संधि कर ली । शहाजीराजे के लिए समय अनुकूल

नहीं था । इसलिए स्वतंत्र राज्य स्थापित करने का उनके द्वारा किया गया प्रयत्न सफल नहीं हुआ । फिर भी उनके इस साहसी प्रयास ने मराठी लोगों में आत्मविश्वास पैदा किया । यही आत्मविश्वास शिवाजी महाराज को स्वराज्य स्थापना के कार्य में लाभदायक सिद्ध हुआ ।

कर्नाटक में जिजाबाई और शिवाजी महाराज : शहाजीराजे की निजामशाही का अस्त होने के बाद मुगल सम्राट और आदिलशाह ने वह प्रदेश आपस में बाँट लिया । शहाजीराजे की पुणे और सुपे की जागीर पहले से ही आदिलशाह के राज्य में थी । आदिलशाह ने वह जागीर अपनी ओर से शहाजीराजे को दे दी । अब वे आदिलशाही में थे । आदिलशाही ने उनपर कर्नाटक प्रदेश को जीतने की जिम्मेदारी सौंपी । शहाजीराजे कर्नाटक चले गए । कुछ समय बाद जिजाबाई और शिवाजी महाराज भी उनके पास चले गए ।

महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज का बचपन अस्थिरता में व्यतीत हुआ था । जिजाबाई और शिवाजी महाराज की कभी इस किले पर तो कभी उस किले पर दौड़-धूप चलती रही । उस समय बाल शिवाजी अपने पिता जी की वीरता और पराक्रम की कहानियाँ सुनते थे । कर्नाटक में आने के बाद दोनों को अर्थात् माँ-बेटे को थोड़ा आराम मिला । शहाजीराजे ने कर्नाटक के अनेक राजाओं को पराजित किया । अतः आदिलशाह ने उन्हें बेंगलोर की जागीर इनाम के रूप में दी । अब बेंगलोर शहर शहाजीराजे का प्रमुख निवास स्थान बना । वहाँ वे वैभवपूर्ण जीवन व्यतीत करने लगे । वे दरबार का आयोजन करने लगे ।



१. कोष्ठक में से उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करो :

- (अ) शिवाजी महाराज का जन्म किले में हुआ ।
(पुरंदर, शिवनेरी, पन्हाला)
(आ) आदिलशाह ने शहाजीराजे पर प्रदेश को जीतने की जिम्मेदारी सौंपी ।
(कर्नाटक, खानदेश, कोकण)

२. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक-एक वाक्य में लिखो :

- (अ) जिजामाता के उपदेश से शिवाजी महाराज के मन में कौन-कौन-से विचार आने लगे ?
(आ) शिवाजी महाराज मावलों के बच्चों के साथ कौन-कौन-से खेल खेलते थे ?
(इ) शहाजीराजे ने निजामशाही का त्याग क्यों किया ?

३. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखो :

- (अ) जिजाबाई शिवाजी महाराज को कौन-कौन-सी कहानियाँ सुनाती थीं ?
(आ) शहाजीराजे ने निजाम वंश के बालक को निजामशाह के रूप में घोषित क्यों किया ?

उपक्रम

- (अ) शिवनेरी किले की सैर करो । वहाँ शिवाजी महाराज के जन्म स्थल की जानकारी प्राप्त करो ।
(आ) तुम जो पारंपरिक खेल खेलते हो; उनके नाम लिखो । उनमें से किसी एक खेल की जानकारी दस पंक्तियों में लिखो ।



शिवनेरी किला – महादरवाजा